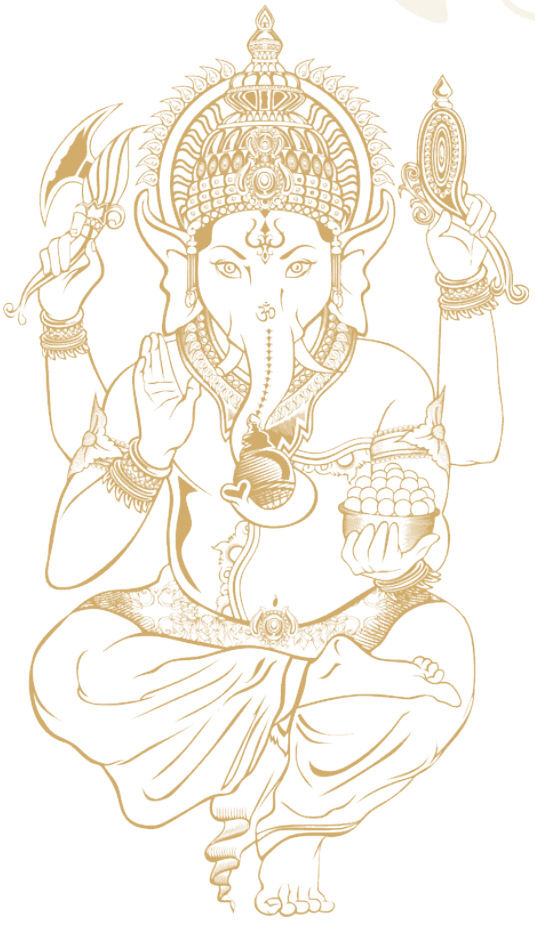

Mr.Nibha

13 Jan 1999

11:30 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120684502

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/01/1999	जन्म तिथि	**13/01/2025**
बुधवार	दिन	सोमवार
घंटे 23:30:32	जन्म समय	15:24:47 घंटे
घटी 40:37:36	जन्म समय(घटी)	20:23:21 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:29	सूर्योदय	07:15:26
17:44:04	सूर्यास्त	17:44:38
23:50:27	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:25

कन्या	लग्न	वृष
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृश्चिक	राशि	मिथुन
मंगल	राशि-स्वामी	बुध
अनुराधा	नक्षत्र	पुनर्वसु
शनि	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	1
वृद्धि	योग	वैधृति
कौलव	करण	विष्टि
ने-नैनसुख	जन्म नामाक्षर	के-केसरी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	मार्जार
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मार्जार
26	गत/तत्कालिक वर्ष	27

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व अ
हस्त	2	15:04:20	कन्या	
उत्तराषाढ़ा	1	29:15:25	धनु	
अनुराधा	4	14:29:31	वृश्चि	
चित्रा	3	00:37:40	तुला	
पूर्वाषाढ़ा	1	16:08:43	धनु	
पू०भाद्रपद	4	00:08:43	मीन	
श्रवण	3	17:30:42	मक	
अश्विनी	1	03:08:14	मेष	
आश्लेषा	4	28:39:00	कर्क	व
धनिष्ठा	2	28:39:00	मक	व
श्रवण	3	17:48:26	मक	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न		वृष	29:01:42	2	मृगशिरा
सूर्य		धनु	29:15:26	1	उत्तराषाढ़ा
चंद्र		मिथु	22:43:05	1	पुनर्वसु
मंगल	व	कर्क	03:04:55	4	पुनर्वसु
बुध		धनु	13:00:47	4	मूल
गुरु	व	वृष	17:53:15	3	रोहिणी
शुक्र		कुंभ	16:23:21	3	शतभिषा
शनि		कुंभ	21:21:12	1	पू०भाद्रपद
राहु	व	मीन	05:30:49	1	उ०भाद्रपद
केतु	व	कन्या	05:30:49	3	उ०फाल्गुनी
मु		वृश्चि	15:04:20	4	अनुराधा

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:25

लग्न-चलित

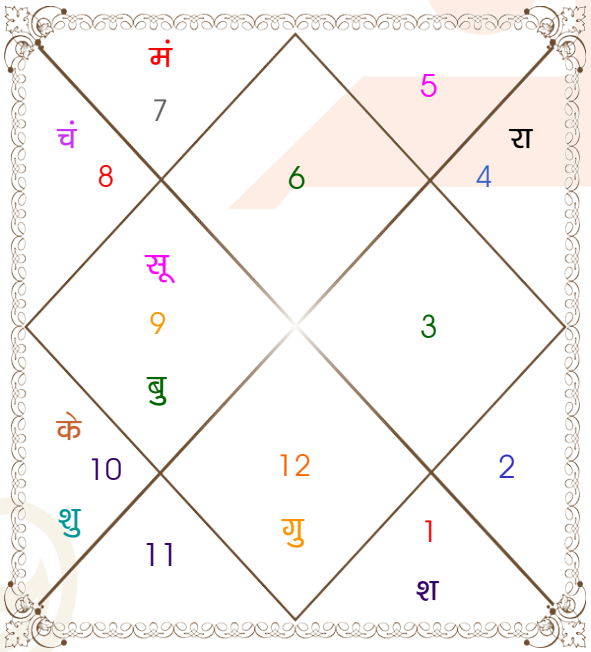

वर्ष लग्न कुंडली

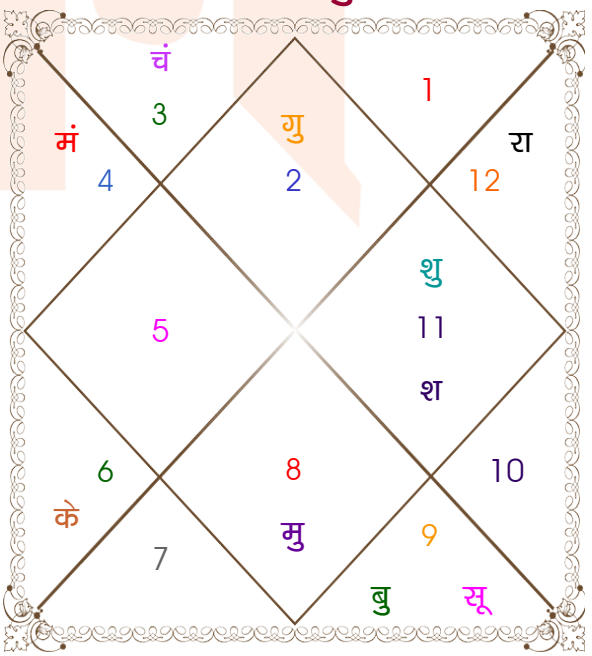

Karshney jyotish karyalay Pt S C Jha Suman
Shobha Sadan 317/1 New Mohan Puri Meerut 250001, U P India
+919837310158
ptsumanjha@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

केतु - बुध - शनि	
23/12/2025 11:58	
18/02/2026 20:21	
शनि	01/01/2026 13:53
बुध	09/01/2026 16:52
केतु	13/01/2026 01:10
शुक्र	22/01/2026 14:34
सूर्य	25/01/2026 11:23
चंद्र	30/01/2026 06:05
मंगल	02/02/2026 14:22
राहु	11/02/2026 04:49
गुरु	18/02/2026 20:21

शुक्र - शुक्र - शुक्र	
18/02/2026 20:21	
09/09/2026 18:21	
शुक्र	24/03/2026 16:01
सूर्य	03/04/2026 19:31
चंद्र	20/04/2026 17:21
मंगल	02/05/2026 13:26
राहु	01/06/2026 23:56
गुरु	29/06/2026 01:16
शनि	31/07/2026 04:21
बुध	28/08/2026 22:16
केतु	09/09/2026 18:21

शुक्र - शुक्र - सूर्य	
09/09/2026 18:21	
09/11/2026 15:21	
सूर्य	12/09/2026 19:24
चंद्र	17/09/2026 21:09
मंगल	21/09/2026 10:22
राहु	30/09/2026 13:31
गुरु	08/10/2026 16:19
शनि	18/10/2026 07:39
बुध	26/10/2026 22:37
केतु	30/10/2026 11:51
शुक्र	09/11/2026 15:21

शुक्र - शुक्र - चंद्र	
09/11/2026 15:21	
19/02/2027 02:21	
चंद्र	18/11/2026 02:16
मंगल	24/11/2026 00:18
राहु	09/12/2026 05:33
गुरु	22/12/2026 18:13
शनि	07/01/2027 19:46
बुध	22/01/2027 04:43
केतु	28/01/2027 02:46
शुक्र	14/02/2027 00:36
सूर्य	19/02/2027 02:21

शुक्र - शुक्र - मंगल	
19/02/2027 02:21	
01/05/2027 02:51	
मंगल	23/02/2027 05:46
राहु	05/03/2027 21:27
गुरु	15/03/2027 08:43
शनि	26/03/2027 14:36
बुध	05/04/2027 16:04
केतु	09/04/2027 19:30
शुक्र	21/04/2027 15:35
सूर्य	25/04/2027 04:48
चंद्र	01/05/2027 02:51

शुक्र - शुक्र - राहु	
01/05/2027 02:51	
30/10/2027 17:51	
राहु	28/05/2027 12:18
गुरु	21/06/2027 20:42
शनि	20/07/2027 18:40
बुध	15/08/2027 15:36
केतु	26/08/2027 07:16
शुक्र	25/09/2027 17:46
सूर्य	04/10/2027 20:55
चंद्र	20/10/2027 02:10
मंगल	30/10/2027 17:51

शुक्र - शुक्र - गुरु	
30/10/2027 17:51	
10/04/2028 01:51	
गुरु	21/11/2027 09:19
शनि	17/12/2027 02:11
बुध	09/01/2028 02:07
केतु	18/01/2028 13:23
शुक्र	14/02/2028 14:43
सूर्य	22/02/2028 17:31
चंद्र	07/03/2028 06:11
मंगल	16/03/2028 17:27
राहु	10/04/2028 01:51

शुक्र - शुक्र - शनि	
10/04/2028 01:51	
19/10/2028 20:21	
शनि	10/05/2028 14:22
बुध	06/06/2028 21:48
केतु	18/06/2028 03:40
शुक्र	20/07/2028 06:45
सूर्य	29/07/2028 22:05
चंद्र	14/08/2028 23:37
मंगल	26/08/2028 05:30
राहु	24/09/2028 03:29
गुरु	19/10/2028 20:21

शुक्र - शुक्र - बुध	
19/10/2028 20:21	
10/04/2029 07:51	
बुध	13/11/2028 06:46
केतु	23/11/2028 08:15
शुक्र	22/12/2028 02:10
सूर्य	30/12/2028 17:08
चंद्र	14/01/2029 02:06
मंगल	24/01/2029 03:34
राहु	19/02/2029 00:29
गुरु	14/03/2029 00:25
शनि	10/04/2029 07:51

शुक्र - शुक्र - केतु	
10/04/2029 07:51	
20/06/2029 08:21	
केतु	14/04/2029 11:16
शुक्र	26/04/2029 07:21
सूर्य	29/04/2029 20:35
चंद्र	05/05/2029 18:37
मंगल	09/05/2029 22:03
राहु	20/05/2029 13:44
गुरु	30/05/2029 01:00
शनि	10/06/2029 06:52
बुध	20/06/2029 08:21

शुक्र - सूर्य - सूर्य	
20/06/2029 08:21	
08/07/2029 14:39	
सूर्य	21/06/2029 06:15
चंद्र	22/06/2029 18:47
मंगल	23/06/2029 20:21
राहु	26/06/2029 14:06
गुरु	29/06/2029 00:32
शनि	01/07/2029 21:56
बुध	04/07/2029 12:02
केतु	05/07/2029 13:36
शुक्र	08/07/2029 14:39

शुक्र - सूर्य - चंद्र	
08/07/2029 14:39	
08/08/2029 01:09	
चंद्र	11/07/2029 03:31
मंगल	12/07/2029 22:08
राहु	17/07/2029 11:42
गुरु	21/07/2029 13:06
शनि	26/07/2029 08:46
बुध	30/07/2029 16:15
केतु	01/08/2029 10:52
शुक्र	06/08/2029 12:37
सूर्य	08/08/2029 01:09

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से रूधिर या पित्तजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध के भाव की भी अधिकता रहेगी। इस समय आप जो भी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करेंगे उनसे आपको अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। अतः मानसिक रूप से भी आप परेशान तथा व्याकुल रहेंगे जिससे मन में अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रुपक्ष से भी इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी चोरी आदि की संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त आग या दुर्घटना के द्वारा भी हानि हो सकती है। इस समय आपकी बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा कार्यो को शीघ्रता पूर्वक सम्पन्न करेंगे जिससे लाभ की अपेक्षा हानि की संभावना अधिक रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में हानि तथा समस्याएं रहेंगी जिससे लाभ मार्ग अवरूद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता रहेगी तथा किसी मिथ्या अपवाद के द्वारा आपको मान हानि का भी सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक ही आप आवश्यक धनार्जन कर सकेंगे परन्तु व्ययाधिक्य के कारण इसमें कोई विषमता भी उत्पन्न होगी। इसके अतिरिक्त प्रेम संबंधों में भी आप असफलता प्राप्त करेंगे तथा उद्देश्यहीन दूर की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। अतः इस वर्ष को शान्ति एवं बुद्धिमता से व्यतीत करें जिससे समस्याओं में न्यूनता रहेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आप शारीरिक रूप से विशेष अच्छी नहीं रहेंगी तथा समय समय पर इससे आपको परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति होगी। मानसिक रूप से भी आप इस समय अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी।पति एवं बन्धुवर्ग से आप विशेष सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त करेंगी। साथ ही यदा कदा उनसे आपको कष्ट भी प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपका शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा तथा वे आप के लिए प्रत्येक क्षेत्र में अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे चिन्तित रहेंगी । धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा भाव नहीं रहेगा तथा धर्म एवं धार्मिक कार्यो की आप उपेक्षा करेंगी ।साथ ही लोभ एव मोह की आप में अधिकता रहेगी।

व्यापारिक एवं कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करेंगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आप अपने वरिष्ठ सहयोगियों तथा उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।इस समय व्यापार आदि में भी आपको अपने सहयोगियों से सावधान रहना चाहिए एवं किसी नवीन कार्य को प्रारम्भ नहीं करना चाहिए अन्यथा हानि की संभावना हो सकती है । मित्र वर्ग से भी आपको विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे इस समय आपके साथ शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। आलस्य की भी इस मास आप में अधिकता रहेगी तथा बन्धन आदि का भी भय रहेगा।अतः इस वर्ष को आप सावधानी एवं संयम पूर्वक व्यतीत करेंगी तो सांसारिक समस्याओं से आप सुरक्षित हो सकती है।